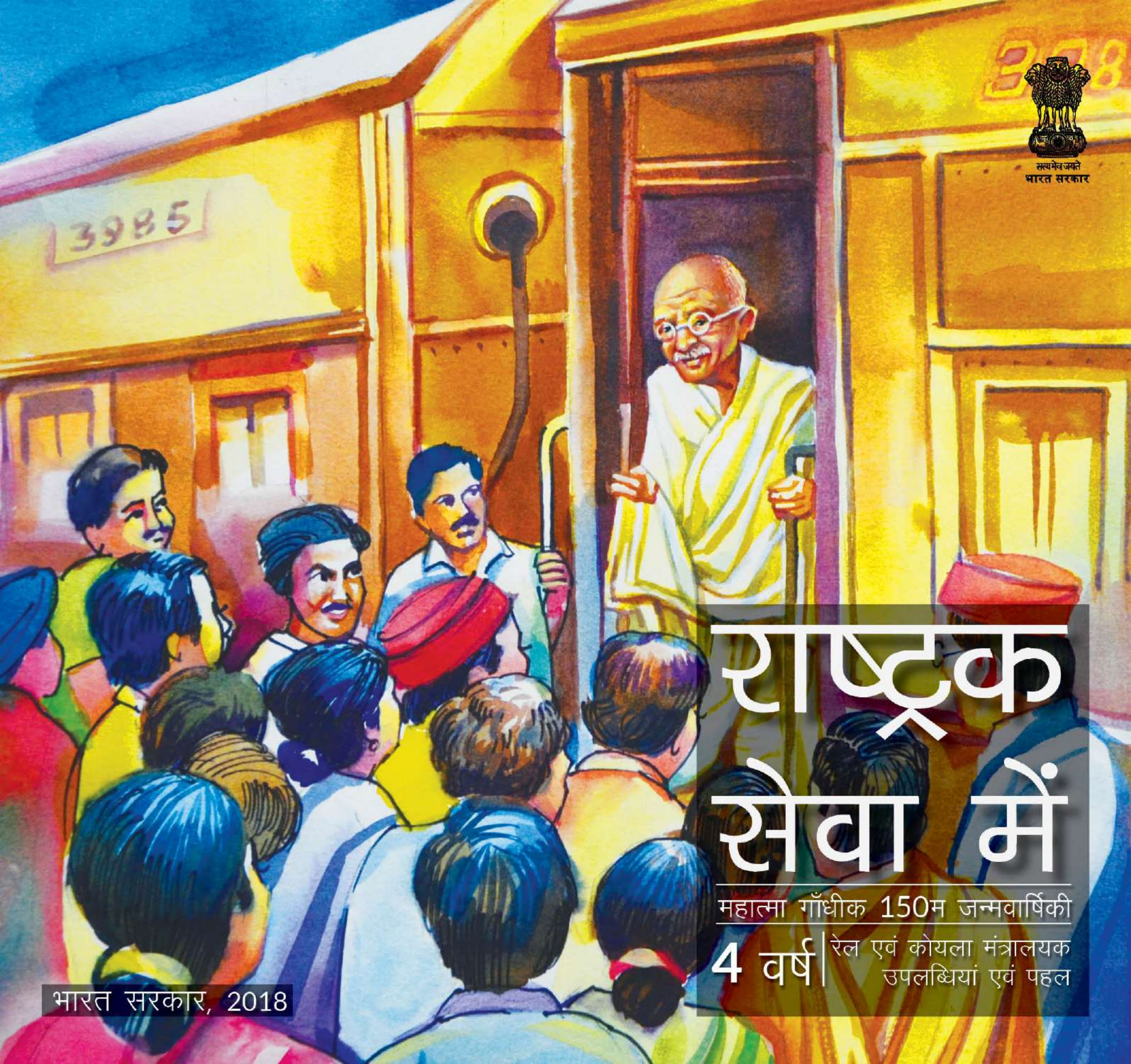

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

राष्ट्रक सेवा में

महात्मा गाँधीक 150म जन्मवार्षिकी

4 वर्ष | रेल एवं कोयला मंत्रालयक उपलब्धियां एवं पहल

भारत सरकार, 2018

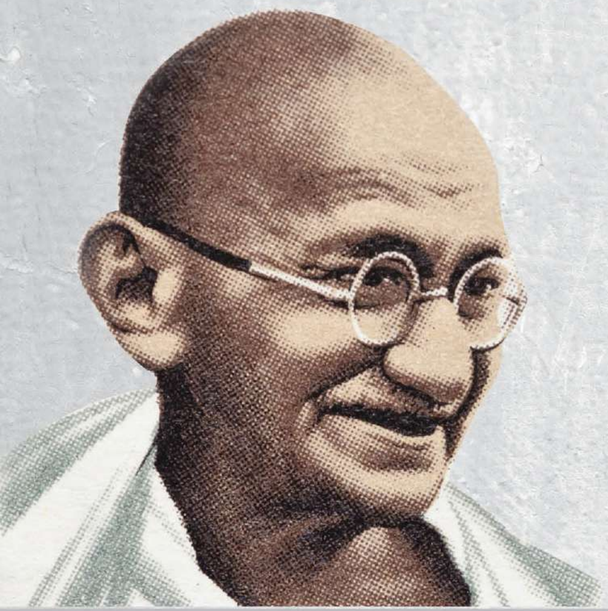

महात्मा गांधीक 150 म जन्मोत्सव मनयबा मे रेलवे एवं कोयला मंत्रालय असीम आनन्दक अनुभव कए रहल अछि। महात्माक स्वतन्त्रताक लेल कएल संघर्ष में रेलवेक योगदान के राष्ट्र स्मरण करैत अछि, जेना दक्षिण अफ्रिका मे रेलक अनुभव तथा भारतक ओर–छोर मे जन जागरण करबा मे एकर भूमिका। जहिना गांधीजी यात्राक क्रम मे भारतक प्रत्येक भूभाग के आक्रान्त कएल रेल सँ यात्रा कए के, आइयो रेल जनसमूह सँ देश के जोड़बाक प्रमुख साधन अछि।

स्वतन्त्रता संग्राम में ट्रेन एवं रेलवे स्टेशन हजारो–हजार भारतीयक लेल एक प्रिय स्थल भए गेल जतय ओ सभ अपन नेताक एक झलक पएबाक लेल जमा होइत छल जाहि सँ ओ सभ सत्य, अहिंसा एवं स्वतन्त्रताक पथ पर हुनका सभक संग दए सकय।

“अहाँ ओहि परिवर्तन के स्वीकार करू जकरा स्वयं दुनियाँ मे देखय चाहैत छी”

– महात्मा गान्धी
(1869-1948)

महात्मा गांधीक ओहि आदर्श, जाहि सँ देश स्वतन्त्र भेल, सँ प्रेरणा लए आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी साल 2022 ई. तक नव भारतक लेल एक परिकल्पना निर्धारित कएलन्हि अछि। ई वर्ष भारतीय स्वतन्त्रता क पचहतारिम वर्ष सेहो होएत। रेल एवं कोयला मन्त्रालय नव भारतक निर्माण तथा देश के प्रगतिक उच्च शिखर तथा समुन्नतिक लेल प्रतिबद्ध अछि।

महात्मा गाँधी, संम्पूर्ण भारत में भारतीय रेल सँ कायल गेल भ्रमण सँ स्वतंत्रता एवम सत्य के प्रचार–प्रसार केलन्हि, हुनक चित्रांकण मुख्य पृष्ठ पर स्मरणीय अछि । जकर चित्रकार श्री पी श्याम सुन्दर अचारी छथि, जे रेलकर्मचारी, सामान्य प्रशासन, पूर्व तटीय रेल, भुवनेश्वर में कार्यरत छथि।

नव भारतक दिथ

विज़न 2022

“भारतीय रेल, राष्ट्रक विकास यात्राक प्रगति ईंजन बनत।”

नरेन्द्र मोदी
प्रधान मन्त्री

सुरक्षा सर्वोपरि

> “ रोगक लक्षण निदान तीन–चौथाई उपचार थिक।”
> – महात्मा गाँधी

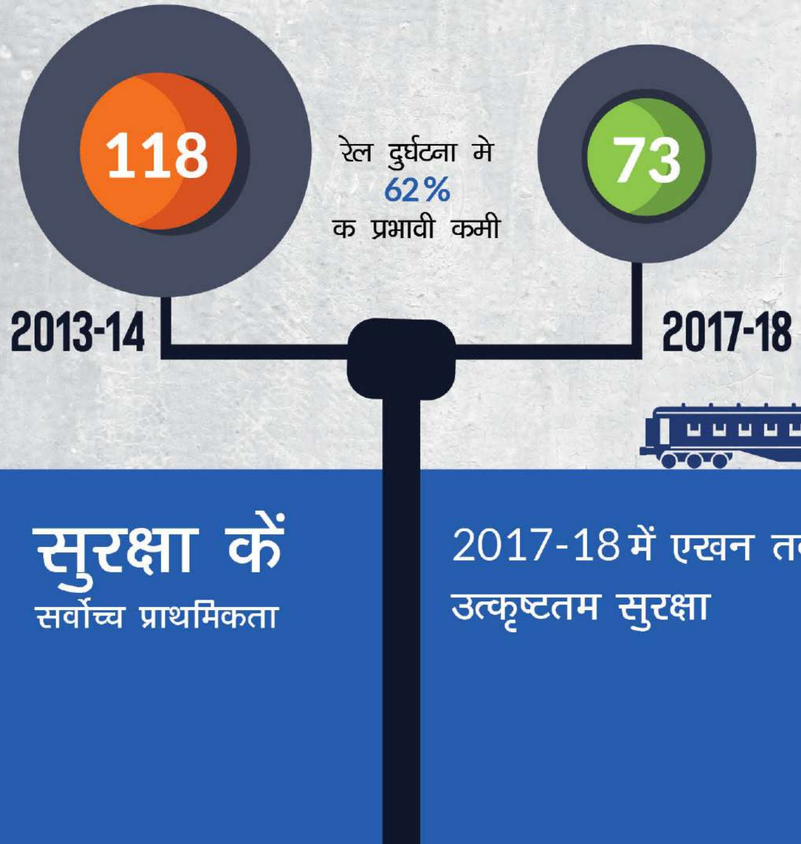

रेलक नवीकरण तीव्रता सँ कार्यान्वयन

वर्ष 2013-14 में 2,926 कि.मी. क तुलना मे वर्ष 2017-18 मे 4405 कि.मी. रेलपथक नवीकरण

ज्यादा सुरक्षित एवम रूपान्तरित एल.एच.बी. डिब्बा के उत्पादनक हेतु पूर्णतः संकल्पित ।

सुरक्षा कें
सर्वोच्च प्राथमिकता

2017-18 में एखन तकक उत्कृष्टतम सुरक्षा

1.1 लाख सुरक्षा पद क चयन द्वारा पूर्त्ति

सुरक्षा सर्वोपरि

राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष(RRSK)

₹1 लाख करोड़क सुरक्षा व्ययक हेतु कोषक निर्माण
1600 कड़ोर रूपया व्यय भए चुकल अछि।

पैदल पारगमन पुलः सुरक्षाक आयाम

वर्ष 2014-18 मे वर्ष 2009-14 क मुकाबिला 23 सें 74 पुलक 221% वृद्धिक संग निर्माण

सेनाक संग कार्यात्मक साझेदारी

मुंबईक एलफिंसटन रोड, परेल, करी रोड तथा एम्बीवली मे 3 पैदल पारगमन पुलक सेनाक सहायता सँ निर्माण

चौकस रखबाक बास्ते हरेक स्टेशन एवम ट्रेन में सीसीटीवी/विडियो लगेबाक प्रयास भए रहल अछि ।

एखन तक सर्वाधिक पुल (रोडक उपर/भितुर एवं तिर्यक मार्गक पुलक) निर्माण

प्रतिवर्ष तीन गुणा औसत निर्माण मे बृद्धि।

पछिला चारि वर्ष मे **5,479** चौकीदार विहीन रेलवे पारगमनक अनुमान
जून 2018 तक एहन पारगमन स्थलक समापन भए जाएत।

विनिर्माण क्षमता में वृद्धि

औसत कैपिटल व्यय वर्ष 2009-14 के तुलना में औसत कैपिटल व्यय वर्ष 2014-19 में दू गुणा भेलैक।

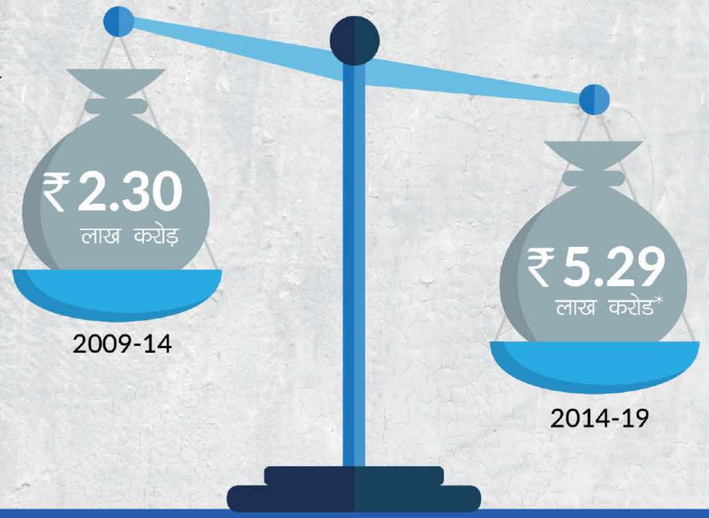

*बजट आकलन 2018-19 में सामिल

"अपन भाग्य निर्माता मनुष्य स्वयं थिक, हम तैं अहां कें अपन भाग्य निर्माण करय कहैत छी"

– महात्मा गाँधी

विनिर्माण क्षमता में वृद्धि

भविष्यक लेल आधारभूत संरचनाक निर्माण

रेलपथ तीव्रता सँ निर्माण

4.1 कि.मी. प्रतिदिन (2009-14)

6.53 कि.मी. प्रतिदिन (2014-18)

वर्ष 2009-14 क 4.1 कि.मी. प्रतिदिन क अपेक्षा वर्ष 2014-18 मे नव रेल पथ/दोहरीकरण/तृतीय/चतुर्थ रेलपथ प्रोजेक्ट क निर्माण 6.53 कि.मी. (पूर्वक तुलना मे 59% क वृद्धि)

भारतक सुदूरवर्ती संम्पूर्ण भूभाग सँ जोड़ब पूर्व कें जोड़बाक परियोजना

पूर्वोत्तर मे समस्त रेलमार्ग कें ब्रॉड गेज में अमान परिवर्त्तन

जिरिबम–इम्फाल नव रेलपथ परियोजना मे विश्वक सभसँ उच्च पुलक निर्माण कार्य

मेघालय मे दुधनोई–मेंदीपथर, त्रिपुरा मे कथकल–भैरवी रेलखण्डक निर्माण

1,397 कि.मी. नव रेलपथ परियोजनाक 51,428 करोड़ रुपयाक लागत सँ कार्य प्रगति मे

उपनगरीय नेटवर्क पर प्रमुखता स कार्यान्वियन

बेंगलुरू उपनगरीय प्रणालीक विकास वर्ष 2018-19 क बजट मे 17,000 करोड़क प्रावधान

एहि सँ 15 लाखक करीब व्यवहर्त्ता लाभान्वित

वतानुकूलित कोचक आधुनिक व्यवस्था
अत्याधुनिक सिग्नलिंग और नए स्टेशन

मुंबई उपनगरीय प्रणालीक उर्ध्वीकरण 54,777 करोड़ रूपयाक बजट (2018-19)

नव कारीडोर, अतिरिक्त रेलपथ/विस्तारीकरण तथा विकसित सिगनल प्रणाली

विकसित स्टेशन सभ तथा वातानुकूलित कोचक कारण यात्री के अधिक सौविध्य

भरत मे पहिल बेर बुलेट ट्रेन

मुंबई–अहमदाबाद तीव्र गति रेल सेवा

शिंकासेन तकनीक जाहि मे 50 वर्ष मे दुर्घटनाशून्य तथा जाहि मे ट्रेनक बिलम्ब एक मनट सँ कम अछि।

यात्रा के 8 घंटा सँ घटा के 2 घंटा पर आनत।

एकदमै कम ब्याज दरमा जापान सरकारले कम लागत कोषमा यसलाई सुपथयोग्य बनाएको छ

प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रोजगारक प्रभूत अवसर

मेक इन इंडिया क योजनान्तर्गत भारत कें उच्च गति तकनीक मे अग्रणी बनाओत।

> “जीवन एक अभिलाषा थिक। एकर उद्देश्य पूर्णता कें प्राप्त करब थिक, जे आत्मोपलब्धि थिक।”
>
> – महात्मा गाँधी

मेक इन इंडिया

इलेक्ट्रिक रेल इंजन कारखानाक
निर्माण मधेपुरा (बिहार) मे

हल्दिया में डेमू इंजनक कारखाना

आबवला परियोजना सभ

लातूर (मराठवाडा) मे उपनगरीय एवं मेट्रो ट्रेनक लेल कोचक निर्माण

LHB कोच सभक नव साजसज्जाक लेल आसाम स्थित न्यू बोंगाइगांव में स्वीकृति

डेमु/मेनलाइन ईमयू शेड लेल आसाम स्थित लुमडिंग क स्वीकृति

झाँसी, बुंदेलखंड एवं हरियाणा क सोनपत मे कोच सभ साज–सज्जाक परियोजना

“व्यक्तिक यथार्थ पारलौकिक सम्पति थिक अपन अनुवर्ती लोकक लेल कएल उपकार”

– महात्मा गाँधी

विद्युतीकृत रेलवे

एक वर्ष मे सर्वाधिक विद्युतीकरण

4,087 रूट किमी.
(2017-18)

छः गुना सँ अधिक वृद्धि

610 रूट किमी.
(2013-14)

चरम गति सँ कार्यान्वयन

गति

विश्व मे सर्वप्रथम बेर डिजल सँ विद्युत रेल ईजन मे परिवर्त्तन

पुरना ईंजनक अपेक्षा स्वदेशी तकनीक सँ बनल रेल ईंजन **5000** अश्वशक्तिक, **92%** अधिक

उर्जा संरक्षणक लेल तथा भार वहन के हेतु **12000** एचपी क नव श्रेणीक रेलईंजनक उत्पादन

बचत

एहि सँ ईंधन व्यय बचत

विद्युतीकरण भेला पर ₹**13,500** करोड़ प्रतिवर्ष होएत।

एहि सँ भारतक उर्ज्जा सुरक्षा तथा व्यापार घटा मे सुधार ।

लंवे समय तक चलय बला

उच्च श्रेणीक दृश्य पय्यवेक्षण कोचक चयनित पथ पर रेलयात्रीक दृश्यावलोकन हेतु व्यवस्था ।

रेलवे कें नवसंकेत

भारतीय रेलवे मे आधुनिक संकेतक प्रणाली लगाओल जाएत।

वर्ष 2017-18 मे ₹1299 करोड़क एहि मद मे निवेश

पछिला वर्ष सँ 31% अधिक निवेश

वर्ष 2017-18 मे स्टेट ऑव द आर्ट इलेक्ट्रोनिक इंटर लॉकिंग प्रणाली 208 स्टेशनों पर उपलब्ध

विगत वर्ष सँ 26% अधिक।

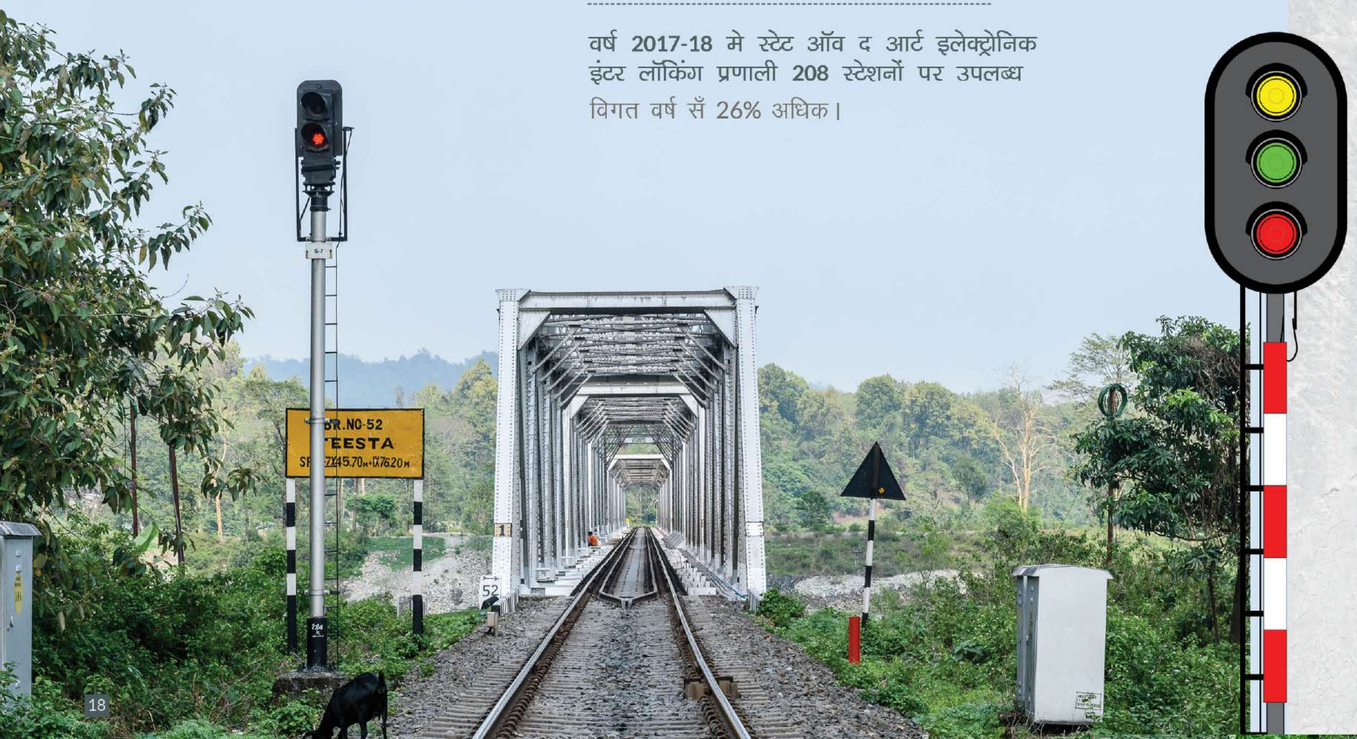

भारतक अर्थव्यवस्था कें गतिमान करैतः भारवाहन

वर्ष 2022 तक भारवाहन मे बाजारक अंशदान 33% से 45% होएत

भारवहनक लेल वैगन हेतु प्राइवेट निवेश हेतु नव प्रस्ताव लागू

निजी भार वहन केन्द्र प्रस्तावः 58 टा अधिसूचित

भार वहनक लेल वैगन हेतु प्राइवेट निवेश हेतु नव प्रस्ताव लागू।

वर्ष 2013-14 क तुलना मे वर्ष 2017-18 मे 1,052 मि.टन क अपेक्षा 1,162 मि.टन भार वाहन

अद्यतन सर्वाधिक भारवाहन सँ कमाई, विगत वर्ष सँ 12% अधिक वर्ष 2017-18 में ₹1.17 लाख करोड़ ।

भारतक अर्थव्यवस्थाक त्वरण: डी.एफ.सी.

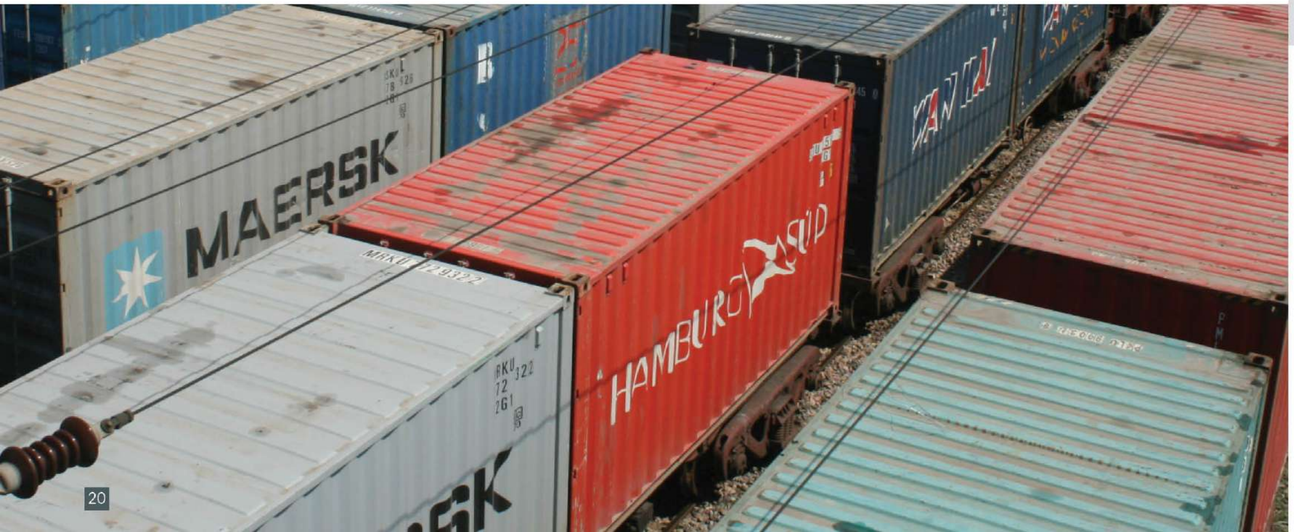

नियोजित फ्रेट गलियारा(DFCs)

वर्ष **2019-20** मे **2,822** कि.मी. क निर्माण योजना

मार्च, **2014** तक **12,749** करोड़क तुलना मे विगत चारि वर्ष मे **39,157** करोड़क

पश्चिमी एवं पूर्वी फ्रेट कॉरीडोर प्रस्ताव स्वीकृत अनुबंध प्रस्वीकृत (**200%** सँ अधिकक प्राप्ति)

भारवहन समय, लागत मूल्य तथा वर्तमान नेटवर्कक त्वरण सँ बचत।

कारखाना एवं फार्म सँ बन्दरगाहक संयोजन सँ आर्थिक विकास एवं रोजगा. रक सृजन

आर्थिक विकास केन्द्रक सृजन

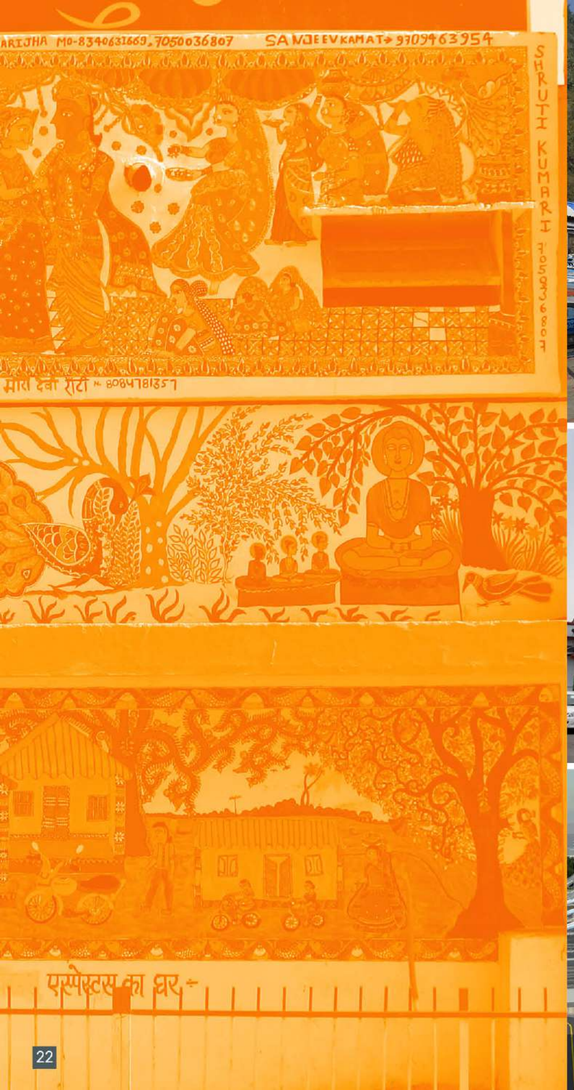

“स्वच्छता अवर धर्मनिष्ठा थिकै”

– महात्मा गांधी

स्टेथनक विकास

भविष्यक दिश उड़ान

स्टेशन सभ कें विश्वस्तरीय सुविधा सँ विकसित करन

स्टेशनक वर्गीकरण जाहि सँ रेलयात्रीक सुविधा मे वृद्धि

अधिक राजस्व प्राप्ति, यात्री आगमन एवं महत्वधारी तथ्यक प्राप्तिक लेल अधिक वस्तुनिष्ठ निर्धारण

68 स्टेशन कें रेलवे द्वारा उन्नयण मार्च 2019 तक।

60 स्टेशनक स्थानीय कला सँ सौंदयीकरण पूर्ण

हबीबगंज (मध्य प्रदेश) तथा गाँधीनगर (गुजरात) क स्टेशनक पुनर्विकास दिसम्बर 2018 तक

सभ स्टेशन पर शत–प्रतिशत एलईडी विद्युतीकरण

एक स्मरणीय यात्रा

रेलयात्री डिब्बाक उर्ध्वीकरण

मेल/पैसेंजर ट्रेन 5000 कोच सभक आन्तरिक भागक साज–सज्जा मे विकास मार्च, 2019 तक

आधुनिक ट्रेन एवं कोच सभ

एहि वर्ष पहिल बेर स्वदेशी ट्रेन समुच्चयक प्रत्यारव्यान

तेजस, अन्त्योदय एवम हमसफर ट्रेन के सुरूआत

डबल डेकर उदय रैक सेवाक लेल प्रस्तुत

आधुनिक सुख–सुविधाक संग दीन दयालु एवं अनुभूति कोच सभ

उच्च श्रेणीक दृश्य पय्यवेक्षण कोचक चयनित पथ पर रेलयात्रीक दृश्यावलोकन हेतु व्यवस्था।

यात्री सेवा मे वृद्धि

नव ट्रेन सुविधा

पछिला चारि वर्ष मे 407 ट्रेन सेवाक समावेश

पछिला चारि वर्ष मे पर्व त्योहार कें ध्यान मे राखि 1.37 लाख सेवा प्रदान

चलैत ट्रेन सभक बेहतर उपयोग एवं उपलब्ध सा. मिग्री ओ समयक बेहतर प्रबंधन सँ 22 नव ट्रेन एवं 44 विस्तार सेवाक समायोजन

तृतीय पक्ष द्वारा कार्यकलापक समाकलन

यात्रीसुविधा, भोजनादि, स्वच्छता एवं समय पालनक पर्यावलोचनक हेतु 100 छद्म फेरीवालाक व्यवस्था

समय पालन

आधारभूत संरचना एवं सुरक्षा उपाय कें प्राथमिकता क चलते छोट अवधि मे समयपालन संभव, भविष्य मे समयबद्धता मे बेहतर सुधार, ट्रेन परिचालन मे क्षिप्रता ।

ट्रेन परिचालन समय-सारिणीक प्रबंधन सँ लागत समय मे कमी तथा प्रखण्डक योजनाबद्ध संचालन

1373 ट्रेन पर एसएमएस द्वारा यात्री के ट्रेनक गतिविधिक सूचनाक व्यवस्था ।

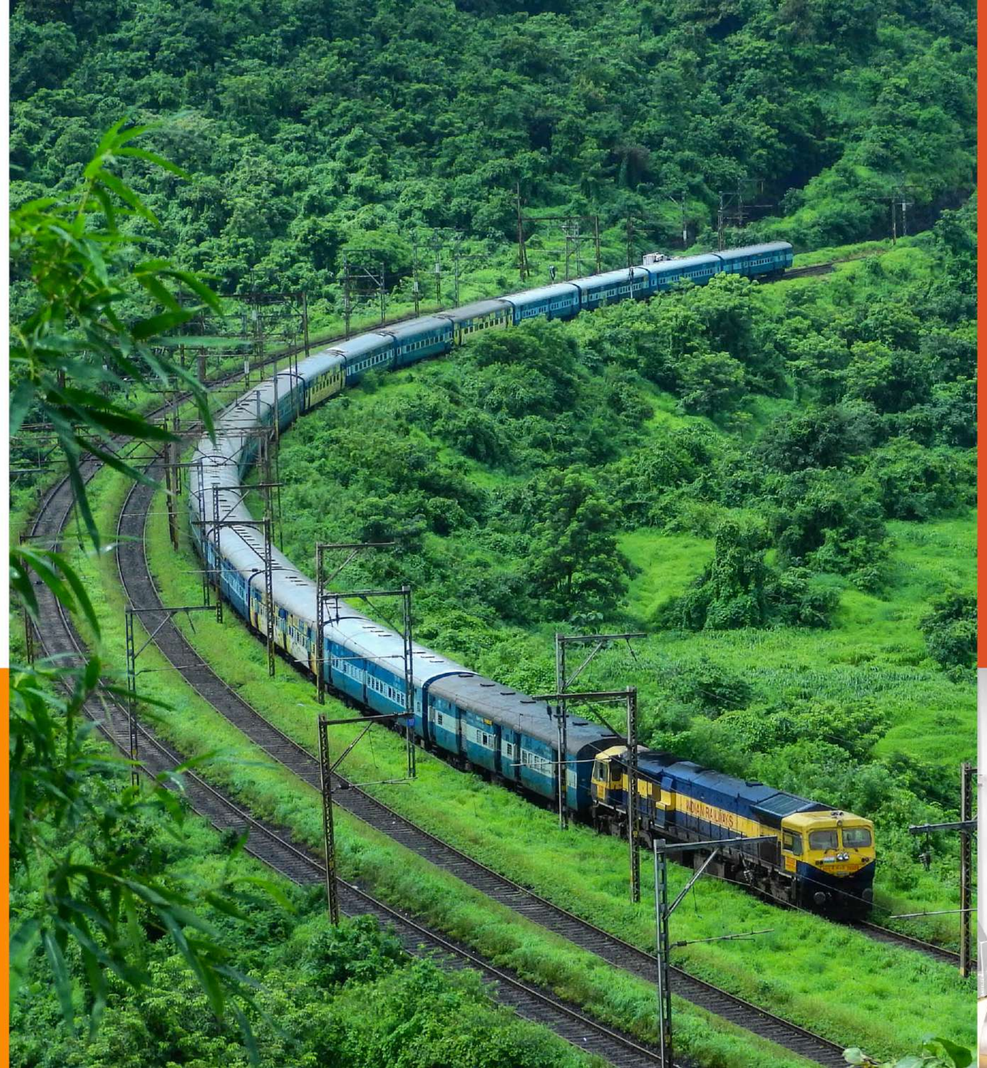

विश्व-स्तरीय यात्री सुविधा

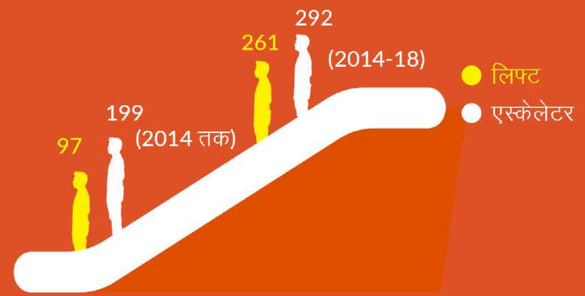

एस्केलेटर एवम लिफ्ट

रेलयात्रीक सुचारू रूप सँ आवागमन में सहायक

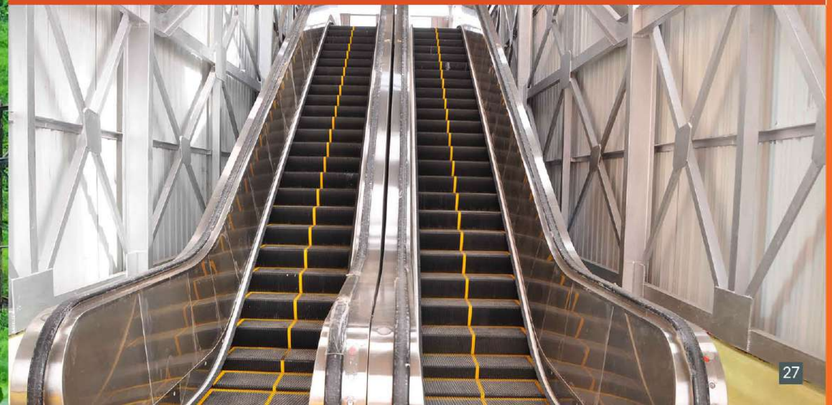

डिजिटल भारत जिटल रेल
डिजिटल रेल

हाइ स्पीड वाइ–फाइ सेवाक विस्तार
675 स्टेशन सँ अधिक ठाम

प्रत्येक स्टेशन पर वाइ–फाइक व्यवस्थाक योजना

एहि सँ पास–पड़ोसक युवा, महिला, किसान एवं ग्रामीण लाभान्वित होयत

कैशलेस व्यवस्थापक हेतु POS क व्यवस्था

9100 POS मशीनक करीब चारि हजार स्थान पर व्यवस्था

बिंल नंहि तँ मुफ्त भोजन योजनाः POS मशीन द्वारा अनिवार्य बिलिंग

2014 क अपेक्षा प्रति मिनट 2000 टिकट सँ 2018 मे ई–टिकटक संख्या प्रति मिनट 20,000 तक

बुकिंग खिरकी सँ क्रेडिट/डेविट कार्ड सँ टिकट मोल लेबा में सर्विस चार्ज खतमं

सोशल मिडिया द्वारा यात्री शिकायतक समयबद्ध निष्पादन

भोजन व्यवस्था

वर्ष 2017-18 मे 16 आधार रसोईघरक क्षमता मे वृद्धि

आधार रसोईघर मे भोजन निर्माणक कृत्रिम मेधा द्वारा परीक्षण – पर्यवेक्षण जाहि सँ गुणवत्ता एवं स्वास्थ्य क वृद्धि

314 स्टेशन पर ई–कैटरिंगक व्यवस्था एवं 100 अन्य पर प्रायोजित। प्रति दिन 7000 भोजनक उपलब्धता

300 सँ अधिक ट्रेन पर प्रत्येक भोजन सामिग्री पर MRP क छपल रहबाक अनिवार्यता

टिप्स देबा पर प्रतिबंध

32 राजधानी, शताब्दी, दुरन्तो एवं गतिमान ट्रेन सभ पर स्वैच्छिक भोजन व्यवस्था

600 स्टेशन पर 1689 जल विक्रय मशीनक व्यवस्था

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छते सेवा थिक

488 स्टेशन पर मशीन द्वारा सम्पूर्ण स्वच्छताक व्यवस्था

सभ उपनगरीय एवं प्रमुख स्टेशन सभ पर मार्च, 2019 तक यान्त्रिक स्वच्छता निर्धारित

वास्ट्ड लिननको उन्नत गुणवत्ताको लागि मेकानाइज्ड लण्ड्रिजः 2009-14 मा 26 को तुलनामा 2014-18 मा 33 व्यवस्था

दिसम्बर, 2019 तक स्वच्छता मे सुधारक लेल 100% यान्त्रिक धुलाई घरक व्यवस्था

बायो–टायलेटक प्रतिस्थापनक सीमा रेखा मे वृद्धि

वर्ष 2004-14 मे 9587 बायो–टायलेटक तुलना मे वर्ष 2014-18 मे 1,17,164 क व्यवस्था

मार्च, 2019 तक सभ ट्रेन मे बायो–टायलेटक व्यवस्थाक संकल्पना

वैकुअम बायो–टायेलेटक (हवाई यात्रा मे) परीक्षण प्रगति पर

दिसम्बर, 2018 तक वहनीय खर्च वाला सेनिटरी पैड निर्मातृ मशीनक सभ प्रमुख स्टेशन पर प्रतिष्ठापन

रेल पथक स्वच्छता

स्वचालित गंदगी हटेबावला रेलरोही मशीनक दिल्ली मे आरम्भ। सम्पूर्ण भारत मे एहि व्यवस्थाक पहल

स्वतंत्र तृतीय पार्टी पर्यवेक्षण

स्टेशन सभ पर एवं ट्रेन सभ मे एहन व्यवस्था

हाउसकीपिंक संबिदा मे नया प्रणाली

ट्रेनक व्यवस्थागत देख रेख लेल नव दिशा कंट्रैक्टर कें पैसेंजरक आकलन आधारित भुगतान व्यवस्था

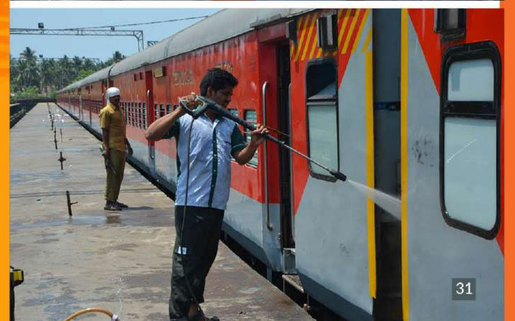

सुधार सँ रूपान्तरण : पारदर्शिता तथा जबाबदेही

सम्मिलित सेवा मे अनुबंधक लेल सामान्य शर्त

सुगम निबंधन प्रक्रिया सेवा अनुबंधधारीक लेल
जाई सँ प्रतियोगिता स्वस्थ हो आ व्यय थोड़

अधिप्राप्ति प्रक्रिया मे परिवर्तन

ई–रिवर्स निलामी प्रक्रिया लागू
जाहि सँ वार्षिक ₹20,000 करोड़क बचत

सिंगल वेब–पोर्टलमार्फत 100% ई–प्रोक्युरमेन्ट
ई–प्रोक्यूरमेंट पोर्टल सँ लगभग 17 लाख
ई–टेन्डर प्रकाशित

वर्ष 2014 क अपेक्षा 19,867 सँ बढ़ि वर्ष 2018 चारि गुना भए 81,127 भेल IREPS द्वारा निबंधित दोकानदा. रक संख्या

रहरहाँ व्यवहारक सामान / सेवादिक अनिवार्य अधिप्राप्ति GeM (Govt. E-Merket) चसंबमद्ध द्वारा

दोकानदारक वृद्धि एवं खर्च कम कए प्रतियोगिताक वृद्धि

संवेदक कें 'प्रथम आउ, प्रथम पाउ' सिद्धान्त पर रेलवे भुगतान करैछ

सभ आपूर्तिकर्त्ता एवं संवेदक कें रेलवे साखपत्र निर्गत करैछ जाहि सँ कार्य संपादन मे काठिन्यनाई हो

रिसीट नोट, सप्लायर बिल एवं रिसीट चालान रेलवे सतत् डिजिटल रहैछका डिजिटलीकरण

रिसीट नोट एवं रिसीट चालानक हेत ₹50,000 करोड़क राशि उपन्यसित

> “प्रत्येक सुधारक अर्थ जागरण होइछ, सही अर्थ मे एकदा जागरण भेला पर देश जीवनक एकहि पक्षक जागरण सँ संतुष्ट नहि होएत”
>
> – महात्मा गांधी

GeM
Government
e Marketplace

रिसर्च डिजाइन एवं स्टेंडाईस ऑर्गनाइजेथन मे सरल स्वीकृति प्रक्रिया

अनुशंसित वेंडरक जानकारी विवरणी ऑन लाइन होइछ

प्रक्रियात्मक काल 30 मास सँ घटा कें 6 मास कएल गेल

तेरह लाख सँ अधिक रेलवे परिवार

क्षेत्रीय अधिकारी के अधिकृत करब एवं अधिकार प्रदत्त करब

महाप्रबंधक कोटि कें अधिकतम सीमा तक कार्य के अनुशंसित करब

मंडल रेल प्रबंधक कोटि कें प्रक्रियात्मक त्वरण एवं निर्णय लेबाक हेतु अधिकृत होल

प्रोडक्शन यूनिटकें वेंडरक विकेन्द्रीकरण हेतु अधिकृत करब जाहि सँ विकास गतिमान हो तथा स्व–संसाधन उपयोग भए सकल।

> “अहां कदापि मानवता में संदेह जुनि करू। मानवता एक सागर थिक, जँ सागरक किछु बूंद दूषित अछि तँ एहि सँ ओ अपवित्र नहि भए जाइछ”
>
> – महात्मा गांधी

कर्मचारी कल्याणक त्वरण

लोको पायलट, गार्ड्स आदिक लेल चलन्त कक्षक उत्प्रेषण

स्टाफ कॉलोनी एवं कार्यस्थलक विकास

आरपीएफ बैरेक क उर्ध्वीकरण सँ जीवन स्तर एवम रहन–सहन में सुधार

सभ कर्मचारीक मेडिकल जाँच प्रतिवर्ष आरपीएफ क लेल साल मे दूबेर

भारत कें खेलकूदक क्षेत्र मे गौरवान्वित करैत

भारत द्वारा जीतल अन्तर्राष्ट्रीय स्तरक मेडल मे 33% भागीदारी रेलवे द्वारा

2018 कामनवेल्थ गेम्स मे 10 टा स्वर्ण पदक जीत निहार (कुश्ती) रेलवेक खेलाड़ी

2016 मे साक्षी मल्लिक ओलम्पिक मे कांस्य पदक विजेता

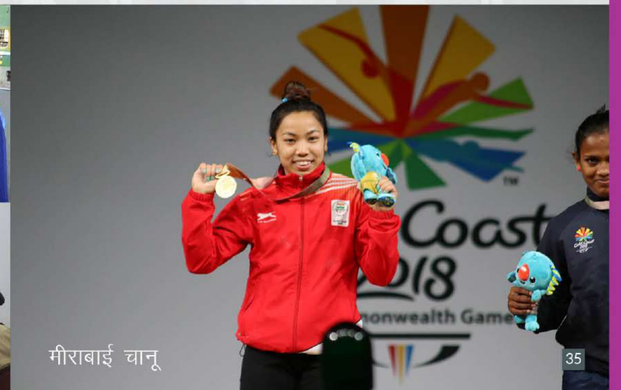

मीराबाई चानू

कुशल कार्य बलक निर्माण

भारतक प्रथम राष्ट्रीय रेल एवं परिवहन विश्वविद्यालय बड़ोदड़ा

कुशल मानव शक्ति संसाधनक निर्माण

उत्पादन मे वृद्धि एवं मेक इन इंडिया
कें उत्प्रेरण

भारतीय रेल के आधुनिकीकरण लेल अग्रसारित

दू–टा कोर्स के सुरूआत – बीबीए
(ट्रान्सपोर्टेसन मैनेजमेंट) एवम बीएससी (ट्रान्सपोर्टेसन टेक)
अगस्त 2018 में

2019 में स्नातकोत्तर सुरू होना है

लेटेस्ट पेडागॉगी एवम टेकनॉलॉजी एप्लेकेशन – कार्य संस्कृति में सुधार

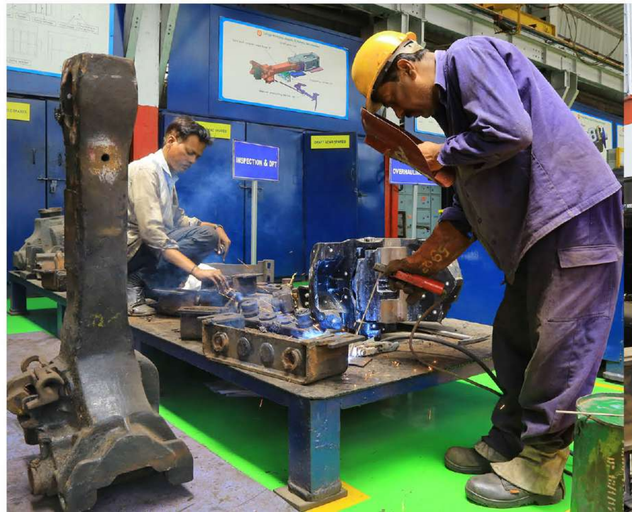

सक्षम प्रकल्प

5 दिन पेशागत प्रशिक्षण/सभ कर्मी क
वर्गकक्ष प्रशिक्षण

नव शिशिक्षुक प्रशिक्षण

प्रति वर्ष कुल कर्मीक 5% कें रेलवे कौशल प्रशिक्षण प्रदान करैछ

प्रशिक्षु के नम्बर में 20,000 से 31,000 बढ़ोतरी

कोयला:
भारतक विकासक ईंधन

गणेषणक लेल उत्खनन प्रायः द्विगुण वर्ष 2013-14 क 6.9 लाख मीटरक अपेक्षा वर्ष 2017-18 मे 13.7 लाख मीटर

वर्ष 2013-14 तक जाहि मे 7 वर्ष लागल से पिछला चारि वर्ष मे 105 मिट्रिक टन उत्पादन रहल

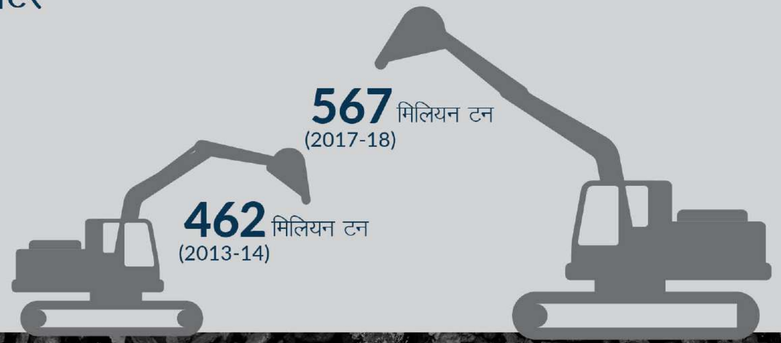

> “धरती प्रत्येक मनुष्यक संतुष्टिक लेल पर्याप्त प्रदान करैछ, किन्तु सभ व्यक्तिक लोभक लेल नहि”
>
> – महात्मा गांधी

कोल इंडिया कोयला उठाई 23% बढ़ल

बेहतर कोयला गुणवत्ता

कोयला गुणवत्ताक सत्यापन तृतीय पक्ष द्वारा

100% अपघर्षित कोयला पावर प्लांट कें

कोल इंडिया एवं सिंगरेनी कोइलियरीक सभ कोयला खानक पुनर्मूल्यांकन

बिजली उर्जा के मूल्य में गिरावट।

प्रति युनिट बिजली उत्पादन लेल आवश्यक कोयलाक मात्रा पछिला चारि वर्ष मे 8% क कमी

“जँ हमरा ई विश्वास अछि जे हम ई कार्य कए सकैतछी तँ हमरा निश्चय ई शक्ति प्राप्त होयत, यद्यपि कि आरम्भ मे से नहियों भए सकैत अछि”

– महात्मा गांधी

नव भारतक लेल कोयला सुधार

यापारिक कोयला उत्खनन

1973 मे राष्ट्रीयकरणक पश्चात् सर्वाधिक महत्वाकांक्षी सुधार

कोयलाक आयातक निर्भरताक कमी तथा सुनिश्चित कोयला आपूर्ति द्वारा उर्जा सुरक्षा

अधिक निवेश सँ प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रोजगार

पारदर्शी ई निलामी तथा कोयला ब्लौकक आबंटन

89 कोयला खानक सफलतापूर्वक निलामी तथा आबंटन

100% राजस्व कोयलाधारक राज्य कें

पारदर्शिता एवं जबाबदेही

वैज्ञानिक तर्कबुद्धि द्वारा कोयला अनुबंध

कुल 55.66 मिट्रिक टन कोयलाक तर्कसंगत प्रचलन जाहि स ₹3359 करोड़ क बचत

शक्ति

(भारत मे कोयला अनुबंध एवं आबंटन मे पारदर्शिता अनबाक योजना)

जन साधारण हेतु सहज एवम कम मूल्य पर उपलब्ध एवम कोयला खान आवंटन में पारदर्शिता

जन साधारण हेतु सहज एवम कम मूल्य पर उपलब्ध एवम कोयला खान आवंटन में पारदर्शित

"शक्ति" क अन्तर्गत 16 ईंधन आपूर्ति समझौता करार

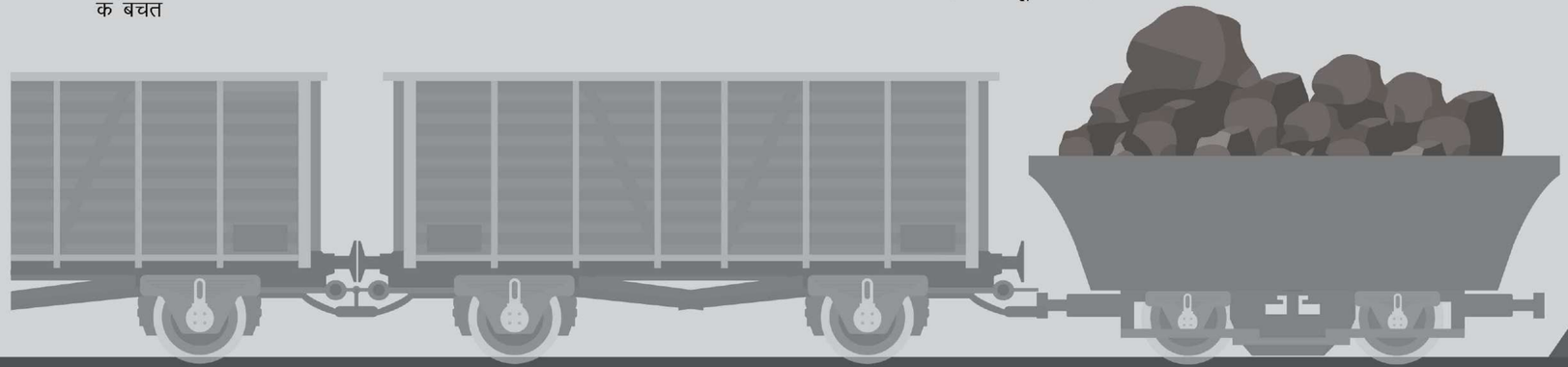

रेल कोयला सहभागिता

कोयला के खनन एवम परिवहण मे 14 टा समय सँ संचालित क्रीटिकल परियोजना

तोरी–शिवपुर रेल पथक एक अंग तोरी–बालूमठ सेकशनक (44 किमी) 09 मार्च, 2018 सँ कार्यारम्भ

ओडिशा मे झारसुगुडा–बरापल्ली (53 किमी) रेल पथक पूर्णता

संम्पूर्ण कोयला लदान में बृद्धि।

● कुल ● कोल इंडिया

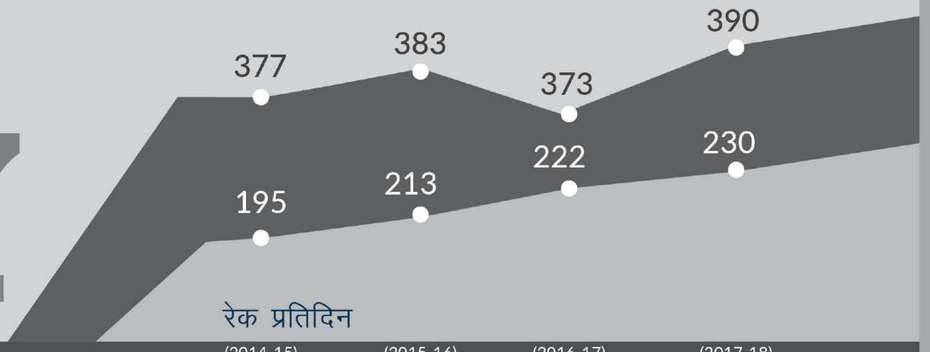

“स्वयं के पयबाक सभ सँ नीक
रास्ता थिक अपना कें दोसराक
सेवा मे विलीन कए देबै”

—महात्मा गांधी

सत्यमेव जयते
भारत सरकार